प्रश्न 14 ‘ कविता ’ शीर्षक रचनाक भावार्थ लिखू ।

उतर - डॉ0 धीरेंद्र नाथ मिश्र भाषाशास्त्रीसँ जखन काव्य रचना दिस उन्मुख होइत छथि , त ’ भाव आ भाषाक विलक्षण बानगी प्रस्तुत कैल अछि । कवि बनि कविक भावनाक आ भावक उड़ानकेँ स्वंय अनुभूति कैल अछि वैह अनुभूतिक कविताक थिक

कवी अति प्रशन्न छथि जे मा मैथिलीक चरणमे हमरा पुष्पांजलि अर्पित करबाक सुयोग लागल । कतेक सुभ सुयोग हमरा भेटल जकर वर्णन करैत मन नहि थकैत अछि महाकविक विधापतिक अभ्यर्थनाम मे लागल सेवा संस्थन+क अर्पणमे हमर सभागिता भेल तँ कवि

भवनाक सागर मे उब - डूब करैत छथि । जन-जनकेँ मन मे भवनाक तरंग उठि रहल अछि , कण - कण चेतना भेल अछि । ऐहन सुअवसर आइ उपथिति भेल अछि ।

कविता ठीक कामिनी भवानी जतए ।

रस मे डूबल कविगण सद्क्षण ततए ॥

वस्तुतः कविता कमिनी थिकीह , ओ भवानी सदृश्य कल्याणमयी तेँ कवि आ श्रेता काव्यपाठ सूनि रसमय भ ’ जाइत छथि । कविगण त ’ सतत् रसानुभूतिमे डूबले रहैत छथि ।